पत्रा० पेश हुई। वादी किशनसिंह की ओर से भरवन मातर। एडवो० उप० हुए। वकालतनामा पेश किया गया। शा० पत्रा० हो। वादी वकील द्वारा पत्रा० में नोटप्रेस हेतु अण्डरटेकिंग दी गई। पत्रा० को चलाना नहीं चाहते हैं। अतः पत्रा० नोटप्रेस के आधार पर इसी स्तर पर खारिज की जाती है। पत्रा० फैसल शुमार होकर नम्बर से कम की जाकर दाखिल दफ्तर हो।

Not Press

किशनसिंह

Indow

Lexey

Signature Not Verified

Digitally signed by Ganga Dhar Meena
Date: 2025.07.16 16:07:44 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with OKEN Scanner